

## MENU

|                                        |     |
|----------------------------------------|-----|
| Prolog .....                           | 7   |
| Wprowadzenie .....                     | 11  |
| Nowy świat .....                       | 13  |
| <br>Część pierwsza: Syria .....        | 27  |
| W czasie i przestrzeni .....           | 29  |
| Tell Rad Szakrah .....                 | 33  |
| Śladami Agathy .....                   | 47  |
| Profesorowa .....                      | 55  |
| Dom Piotra .....                       | 67  |
| Kanapka libańska .....                 | 83  |
| Archeolog i archeologia .....          | 97  |
| Dom Inny .....                         | 107 |
| Masaud Jean .....                      | 117 |
| Nie będzie już takiego lata .....      | 135 |
| Nasz zwierzyniec .....                 | 159 |
| Podróże z Chaledem .....               |     |
| <br>Część druga: Irak .....            | 191 |
| W czasie i przestrzeni .....           | 193 |
| Kelek Miszek .....                     | 197 |
| Szyk Ainkawy .....                     | 223 |
| Dom hadżiego Dijara .....              | 247 |
| Konferencja .....                      | 271 |
| Hadżi Dijar .....                      | 283 |
| Salon gastronomiczno-kosmetyczny ..... | 295 |
| <br>Część trzecia: Przepisy .....      | 309 |
| W garnku .....                         | 311 |
| Ryż i burghul .....                    | 315 |
| Mezze .....                            | 319 |
| Napoje .....                           | 331 |
| Ucieczka do domu .....                 | 333 |
| Kuchnia przyjaciół .....               | 337 |
| Desery .....                           | 343 |
| Słownik kulinarny .....                | 346 |
| <br>Słownik ogólny .....               | 347 |